तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 19 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 13-02-2024 से 19-02-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

देश में गंभीर तार्किक एवं अन्य चुनौतियों के बावजूद लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का विचार दशकों से चर्चा के केंद्र में है। इसका मकसद भारतीय चुनाव चक्र की अनावश्यक पुनरावृत्ति को रोकना है। हालांकि वर्ष 1967 तक एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के तहत देश में चुनाव हुए हैं, लेकिन कार्यकाल समाप्त होने से पहले राज्यों की विधानसभा और लोकसभा के बार-बार भंग होने के कारण यह सिलसिला थम गया। इसके बावजूद लोकसभा चुनाव के साथ कुछ राज्यों मसलन आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम के विधानसभा चुनाव अभी भी साथ होते हैं। आज एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा कुछ कारणों से अपरिहार्य हो गई है। केंद्र सरकार कुछ समय पहले इस संबंध में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है। यह समिति इस संबंध में व्यापक मंथन कर रही है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव होना ही चाहिए

इस अवधारणा पर अगस्त 2018 में जारी विधि आयोग की एक मसौदा रिपोर्ट बेहद महत्वपूर्ण है। इस रिपोर्ट के अनुसार, एक राष्ट्र एक चुनाव के अभ्यास से सार्वजनिक धन की बचत होगी। प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों पर पड़ने वाले तनाव को कम किया जा सकेगा। इससे सरकारी नीतियों का समय पर कार्यान्वयन संभव होगा। चुनाव प्रचार के बजाय विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न प्रशासनिक सुधार किए जा सकेंगे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि संविधान के अनुच्छेद 83(2) और अनुच्छेद 172 में कहा गया है कि लोकसभा और राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा।

इसमें जरूरी यह है कि यदि इन्हें पहले भंग न किया जाए। मगर अनुच्छेद 356 के तहत ऐसी परिस्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं जिसमें विधानसभाएं पहले भी भंग की जा सकती हैं। इसलिए कार्यकाल पूरा होने से पहले केंद्र अथवा राज्य सरकार के गिरने की स्थिति में इस योजना की व्यवहार्यता सबसे अहम प्रश्न है। चुनाव विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बदलाव के लिए संविधान में संशोधन करने से न केवल विभिन्न स्थितियों और प्रावधानों पर व्यापक तौर पर विचार करने की आवश्यकता होगी, बल्कि ऐसे बदलाव भविष्य में किसी प्रकार के संवैधानिक संशोधनों के लिए एक मिसाल भी साबित हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि बार-बार होने वाले चुनाव के वर्तमान स्वरूप को लोकतंत्र में अधिक लाभकारी के तौर पर देखा जा सकता है, क्योंकि यह मतदाताओं की आवाज को बुलंद करता है। केंद्र और राज्यों के मुद्दे अलग-अलग होते हैं। इसलिए वर्तमान ढांचा अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करता है।

माना जा रहा है कि एक साथ चुनाव के लिए लगभग 30 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर-वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों की आवश्यकता होगी। भारत निर्वाचन आयोग वर्ष 2015 में सरकार को एक व्यवहार्यता रिपोर्ट सौंप चुका है। इसमें संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन का सुझाव दिया जा चुका है। आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि एक साथ चुनाव कराने के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता होगी। यही नहीं, 15 वर्ष बाद मशीनों को बदलने की अतिरिक्त लागत के साथ ईवीएम और वीवीपीएटी की खरीद के लिए लगभग 9,284.15 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

मशीनों की भंडारण लागत में भी वृद्धि होगी। इस अवधारणा पर कुछ राजनीतिक दलों का तर्क है कि यह मतदाताओं के व्यवहार को इस तरह से प्रभावित कर सकता है कि मतदाता राज्य चुनाव के लिए भी राष्ट्रीय मुद्दों को केंद्र में रखकर मतदान करेंगे। इससे बड़े राष्ट्रीय दल, राज्य विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनाव में जीत हासिल कर सकते हैं और इस तरह क्षेत्रीय दलों के हाशिये पर चले जाने की संभावना बढ़ जाएगी। यहां यह जानना जरूरी है कि कई देशों में इसी अवधारणा के तहत चुनाव होते हैं। दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतों की विधानसभा के चुनाव पांच साल के लिए एक साथ होते हैं। स्वीडन में राष्ट्रीय विधायिका और प्रांतीय विधायिका और स्थानीय निकाय चुनाव चार साल के लिए एक निश्चित तिथि यानी सितंबर के दूसरे रविवार को होते हैं। लेकिन अधिकांश

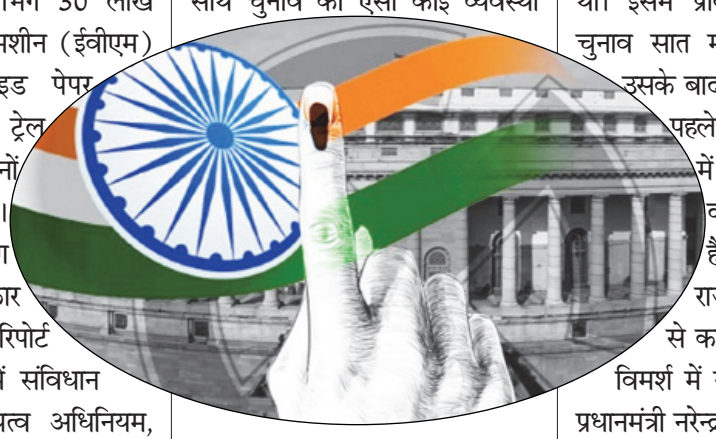

अन्य बड़े लोकतांत्रिक देशों में एक साथ चुनाव की ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। ब्रिटेन में ब्रिटिश संसद और उसके कार्यकाल को स्थिरता प्रदान करने के लिए निश्चित अवधि संसद अधिनियम, 2011 पारित किया गया था। इसमें प्रावधान था कि पहला चुनाव सात मई, 2015 को और उसके बाद हर पांचवें वर्ष मई के पहले गुरुवार को होगा। देश में एक राष्ट्र एक चुनाव वक्त की फौरी जरूरत है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों को कम से कम इस मुद्दे पर विचार-विमर्श में सहयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र सरकार तो अपना धर्म निभा चुकी है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

कोविन्द और समिति के सदस्यों एनके सिंह, डॉ. सुभाष कश्यप और संजय कोठारी ने देश के कुछ प्रमुख अर्थशास्त्रियों से मुलाकात कर विचार-विमर्श किया।15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एनके सिंह और आईएमएफ के सिस्टमिक डिवीजन इश्यूज की प्रमुख डॉ. प्राची मिश्रा ने मेक्रोइकोनॉमिक्स इम्पैक्ट ऑफ हार्मोनाइजिंग इलेक्ट्रोरल साइकल्स शीर्षक से तैयार एक पेपर कुछ अरसा पहले इस समिति के समक्ष प्रस्तुत किया था।

सम्पादकीय

नीतीश ने फिर मारी पलटी

बेशक, अब बिहार के लिए आगे बढ़ने का समय है। क्या राजनीति आरोपों से आगे बढ़ेगी? क्या भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होगी? इस बात से भला कौन इनकार करेगा कि बिहार की राजनीति में निष्ठा और नैतिकता को स्थिरता मिलनी चाहिए। यह बहुत अच्छी बात है कि विभिन्न दलों के बीच जिस तरह से पाला बदल होने की आशंका थी, वह नहीं हो सकी। राजद और जनता दल यू में दो-तीन विधायकों का इधर-उधर होना कोई विशेष चिंता की बात नहीं है। इसमें कोई शक ही नहीं है कि नीतीश कुमार की सरकार संख्या बल में और शक्तिशाली होकर सामने आई है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में स्पष्ट कहा है कि वह अपनी पुरानी जगह और गठबंधन में वापस आ गए हैं और उसे कभी नहीं छोड़ेंगे। हालांकि, राजनीति में संभावनाओं का कभी अंत नहीं होता, फिर भी कम पाला बदलने से नेता और राज्य की भी प्रतिष्ठा को बल मिलता है। 'इंडिया ब्लॉक' को लेकर नीतीश कुमार का दुख एक बार फिर उभर आया, तो स्वाभाविक ही है। वाकई, उन्होंने महा विपक्षी गठबंधन के लिए खूब प्रयास किए थे, पर जब उस गठबंधन में उनकी ही उपेक्षा शुरू होने लगी, तब उन्हें एनडीए में लौटने में ही अपना व्यापक हित दिखा। वह एक सर्व-स्वीकार्य राजनेता के रूप में बिहार में तमाम राजनीतिक दलों के लिए भी एक ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जिनके सहारे विगत दो दशक में बिहार की सत्ता खड़ी होती आई है।

ध्यान देने की बात है कि बिहार में जो सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसमें नेताओं का रुख भी अपेक्षाकृत ज्यादा समझदारी भरा रहा है। गठबंधन टूटने के बावजूद तेजस्वी यादव को अच्छी तरह पता है कि भविष्य में गठबंधन की जरूरत फिर पड़ सकती है, इसलिए उनके तेवर पिछली बार की तरह तल्ख नहीं थे। पहले एकाधिक अवसर ऐसे आए हैं, जब बिहार में अनेक नेताओं ने एक-दूसरे के लिए बहुत कटु शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसे तमाम नेताओं के लिए बिहार आज एक सबक बनकर सामने है कि किसी के बारे में इतना बुरा मत बोलो कि जरूरत पड़ने पर तुम्हारे लिए दरवाजे बंद हो जाएं। दूसरी बात, बिहार में लोग अब काम और रोजगार देखने के लिए ज्यादा लालायित हैं, ऐसे में, विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विश्वास मत जीतकर फिर एक बार अपनी सरकार का बहुमत साबित कर दिया। विगत कुछ दिनों से नाना प्रकार के कयास लगाए जा रहे थे, उन सबका पटाक्षेप हो गया है। लगभग हरेक दल के विधायक संदेह के घेरे में थे। अविश्वास का ऐसा माहौल बन गया था कि लगभग सभी पार्टियां अपने-अपने विधायकों की निष्ठा को लेकर आशंकित हो गई थीं। वैसे ज्यादा संभावना यही थी कि नीतीश कुमार विश्वास मत जीत लेंगे। सदन में जल्दी ही विपक्षियों को भी एहसास हो गया कि वे संख्या बल में पिछड़ गए हैं। विपक्ष की अनुपस्थिति में एनडीए ने सबसे पहले ध्वनि मत से अपना बहुमत साबित किया। हालांकि, बाद में प्रत्यक्ष मतदान की मांग हुई और सरकार के पक्ष में 129 वोट पड़े, जबकि विपक्ष ने मतदान में भाग ही नहीं लिया। दोनों तरफ से ही आरोपों की झड़ी लगी रही। किसी ने नैतिकता की दुहाई दी, तो किसी ने अपने विरोधी पर कमाने का आरोप लगाया और अंतत- बाजी सत्ता पक्ष के हाथ लगी। विधानसभा में बीस साल पहले के समय को भी फिर याद किया गया, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सरकारों पर भी आरोप लगे।

मप्र विधानसभा में भारत रत्न पर हंगामा, विजयवर्गीय बोले-कांग्रेस ने टंट्या मामा को लुटेरा कहा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में सोमवार को उप मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने डॉ. मोहन सरकार का लेखानुदान (अंतरिम बजट) पेश किया। साल 2024-25 आय-व्यय का लेखानुदान एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये का रहा। इसमें जनता पर कोई भार तो नहीं डाला गया। इसके बाद सदन में महापुरुषों के नाम पर हंगामा हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस पर महापुरुषों के अपमान का आरोप लगाया। इस पर जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष ने वॉकआउट कर लिया।

विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन सोमवार को 2024-25 के आय व्यय का लेखानुदान पेश होने के बाद राज्यपाल के अभिभाषण पर रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। इस चर्चा का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सदन में तीन बड़ी उपलब्धि बताता हूं। अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनना हमारा सौभाग्य है। उज्जैन से भी भगवान राम का खास रिश्ता है। मोदी सरकार ने पांच भारत रत्न दिए। उसके लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। कांग्रेस ने तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. नरसिंह राव को कभी सम्मान नहीं दिया। भारत रत्न भारत वर्ष का सर्वोच्च सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी राव जैसे योग्य व्यक्तियों को ढूंढ-ढूंढ़ कर सम्मानित कर रहे हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने टिप्पणी की। जिस पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताते हुए हंगामा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने नेता प्रतिपक्ष के बयान को विलोपित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर महापुरुषों के अपमान का आरोप लगाया। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस ने टंट्या मामा समेत अन्य महापुरुषों को लुटेरा कहा था। इस पर ओमकार सिंह मरकाम ने आरोप लगाया कि भाजपा देश को गुमराह कर रही है। भाजपा के इतिहास पर कांग्रेस चलेगी क्या? कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने कहा कि किस इतिहास में लिखा है कि कांग्रेस ने टंट्या मामा को लुटेरा कहा है। इसी बात पर विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया और प्रमाण मांगा। अध्यक्ष ने दोनों पक्षों को बैठने को कहा और कहा कि मैं तथ्यों को दिखवाऊंगा। इस पर भाजपा विधायकों ने एनसीईआरटी की बुक का संदर्भ दिया। विपक्ष ने विजयवर्गीय के शब्द को विलोपित करने की मांग कर सदन से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद राज्यपाल का अभिभाषण स्वीकार कर सदन की कार्रवाई मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

उप नेता प्रतिपक्ष का आविष्कार कहां से हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उप नेता प्रतिपक्ष पद कहां से आता है, यह मुझे समझ नहीं आया। सदन में उप नेता प्रतिपक्ष का नया अविष्कार कहां से हुआ। इस पर उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा कि विधानसभा में पारित हुआ है। आपको जरूरत हो तो उपलब्ध करा दें।

प्रदेश के पांच व्यक्तियों को पद्मश्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश के पांच व्यक्तियों को पद्मश्री दिया गया है। ऐसा कोई सोच भी सकता था क्या। डॉ. राजपुरोहित का बहुत महत्वपूर्ण योगदान था। अपनी संस्कृति को जिंदा रखने के लिए माच कला के बारे किताबें लिखी। हर भाषा का पर्याय हो सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का कोई पर्याय नहीं है। अटक से कटक तक सभी दिशाओं में हमारे नेता नरेन्द्र मोदी का गुणगान हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 माह की सरकार में आपने कुछ किया नहीं। अब मेरी दो महीने में परीक्षा ले रहे हो तो पूरा उत्तर भी सुनो। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के 40 से अधिक बिंदु पूरे कर दिए हैं। कई तो वो काम भी कर दिए जो संकल्प पत्र में नही थे। हमारा संकल्प पत्र कागज का टुकड़ा नहीं, धर्म ग्रंथ गीता, भागवत की तरह है, जो पांच साल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, खनिज निविदा में मध्य प्रदेश अग्रणी है। मध्य प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें भाजपा जीतेगी। एनडीए 400 पार होगा।

मुख्यमंत्री ने धार्मिक स्थलों पर हेलीकॉप्टर और हवाई यात्रा की सुविधा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि इंदौर से महाकालेश्वर इंदौर से ओंकारेश्वर, ग्वालियर से ओरछा ग्वालियर से दतिया ऐसे कई सारे स्थलों पर हवाई सुविधा शुरू की जाएगी। कोशिश कर रहे हैं कि चुनाव से पहले टेंडर हो जाए। मध्य प्रदेश सरकार अयोध्या जाएगी। सरकार मंत्रियों के साथ विधायकों को भी अयोध्या लेकर जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा प्रदेश के विकास की नई इबादत लिखेंगे। इस वर्ष गुड़ी पड़वा पूरे प्रदेश में मनाएंगे। प्रदेश सरकार गरीबों का युवाओं का कल्याण किसानों की भलाई और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य करेगी। जननी एक्सप्रेस योजना में वाहन बढ़ाए जाएंगे।

अग्नि वीर योजना में 360 घंटे प्रशिक्षण योजना संचालित करेंगे। वीर भारत संग्रहालय के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर से जनता को अवगत करवाएंगे। वर्ष 2028 के सिंहस्थ में दुनिया भर के तीर्थयात्री आएंगे। इस आयोजन को अधिक से अधिक सफल बने इस दिशा में भी सरकार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटना, तीन तलाक खत्म होना और श्रीराम मंदिर का फैसला असंभव था। लेकिन असंभव को संभव को बनाने का काम मोदी जी ने किया है। जब नीयत, नीति साफ हो, मन साफ हो और काम करने का यश अच्छा हो तो ऐसा निर्णय आता है। जो भगवान श्रीराम के मामले में हुआ। पूरे देश में कहीं कोई दंगा नहीं हुआ, सारे धर्म के लोग मिलकर भगवान श्रीराम की जय जयकार में शामिल हुए।

मिर्ची बाबा ने छोड़ी समाजवादी पार्टी, अखिलेश यादव को भेजा इस्तीफा

भोपाल। उज्जैन के श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी वैराग्यानंद गिरी उर्फ मिर्ची बाबा ने समाजवादी पार्टी (सपा) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर में 22 जनवरी को हुए प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सपा अध्यक्ष के नहीं जाने के चलते सपा छोड़ने का फैसला किया है।

मिर्ची बाबा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे अपने इस्तीफे में लिखा है कि समाजवादी पार्टी की सर्वधर्म की विचारधारा के साथ जुड़ा था, लेकिन देखने में आ रहा है कि समाजवादी पार्टी अब अपनी मूल धारा से भटक कर एक वर्ग विशेष तक सीमित होकर रह गई है। इतना ही नहीं संपूर्ण हिंदुत्व की आस्था का केंद्र प्रभु श्रीराम की मूर्ति स्थापना में भी शामिल न होकर अपनी हिंदुत्व विरोधी विचारधारा को प्रमाणित किया है। पार्टी के इस कृत्य से मेरा मन बहुत आहत हुआ है। इस कारण पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं।

सिंहस्थ क्षेत्र में मुनादी के साथ नोटिस दिए जाने की कार्यवाही की जाएगी-निगम आयुक्त

उज्जैन। सिंहस्थ क्षेत्र अंतर्गत जितने भी अवैध अतिक्रमण, अवैध निर्माण किए गए हैं उन पर कार्रवाई हेतु मंगलवार से मुनादी के साथ तीन दिवस की अवधि के नोटिस देने की कार्यवाही की जाए। तीन दिवस की अवधि के पश्चात् नगर निगम द्वारा पुलिस प्रशासन के साथ कार्यवाही करेगा।

यह निर्देश निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा सोमवार को भवन अधिकारी भवन निरीक्षक एवं झोनल अधिकारी को बैठक में दिए गए साथ ही यह भी कहा की कार्यवाही करें अन्यथा आप सभी पर कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

निगम आयुक्त द्वारा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सिंहस्थ क्षेत्र अंतर्गत झोन क्रमांक 2 मंगल कॉलोनी एवं पांच नंबर नाके से लेकर खाक चौक तक जितने भी टीन शेड, अवैध निर्माण अतिक्रमण है उन्हें मुनादी करते हुए सूचित करें साथ ही सभी को नोटिस चस्पा करें नोटिस देने के पश्चात भी यदि दी गई समय अवधि में अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो संबंधित पर पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में कार्यवाही करें।

बैठक में निगम आयुक्त द्वारा उपस्थित अधिकारियों से पूछा कि शहर में जितने भी कमर्शियल निर्माण कार्य चल रहे हैं जिसमें फ्रंट एमओएस के बाहर तक निर्माण कार्य चल रहा है उन पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है जिन अवैध निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं क्यों उन पर कार्यवाही नहीं की जा रही है।

ऐसे चिन्हित लोगों पर कार्रवाई करें यदि कार्यवाही नहीं की जाती है तो उस स्थिति में आप सभी पर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में समस्त झोन के झोनल अधिकारी, भवन अधिकारी, भवन निरीक्षक उपस्थित रहे।

14 फरवरी को निकलेगी भगवा तिरंगा यात्रा

उज्जैन। 500 साल के इंतजार के बाद अयोध्या में बने भव्य श्री राम मंदिर और जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार यात्रा 14 फरवरी को निकाली जाएगी। मप्र युवा शिवसेना गौरक्षा न्यास कट्टर हिंदू संगठन के द्वारा निकाली जाने वाली भव्य भगवा तिरंगा यात्रा 14 फरवरी को वीर शहीदों को श्रध्दांजलि देने के बाद प्रारंभ होगी। संगठन के संस्थापक व अध्यक्ष मनीषसिंह चौहान ने बताया कि करीब 3 लाख राम भक्तों के बलिदान के बाद आज हमारे सामने सनातन धर्म की जीत हुई। रामलाल का मंदिर जन्म भूमि अयोध्या में बनकर तैयार हो चुका है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण आज आतंकवादियों का खात्मा हुआ और लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है। ऐसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार यात्रा मध्यप्रदेश युवा शिवसेना गौ रक्षा न्यास कट्टर हिंदू संगठन द्वारा 14 फरवरी बुधवार को 11:30 बजे शहीद पार्क पर से आरंभ होगी। यात्रा के पूर्व 14 फरवरी 2019 में पाकिस्तान के आतंकवादियों द्वारा किये पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 वीर जवानों को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर दी जाएगी। इस आयोजन में भाजपा के जनप्रतिनिधि व शहर के हिंदूवादी नेताओं की मौजूदगी में श्रद्धांजलि दी जाएगी। यह राम यात्रा टावर चौक से फ्रीगंज ओवर ब्रिज, चामुंडा माता मंदिर, देवास गेट, मालीपुरा, दौलतगंज, इंदौर गेट, गदापुलिया, महाकाल लोक जयसिंहपुरा पहुंचकर राधा की मैरिज गार्डन पर रैली का समापन होगा। यहां सभी कार्यकर्ताओं के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था रहेगी। संगठन पदाधिकारियों ने आग्रह किया है कि इस यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पधार कर यात्रा को सफल बनाएं।

नगर पालिक निगम के 2024-25 के बजट पर मंथन प्रारंभ

उज्जैन। नगर पालिक निगम के वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट पर मंथन प्रारंभ हुआ, महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसील की बैठक में बजट पर चर्चा प्रारंभ की गई जो मंगलवार को भी जारी रहेगी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट हेतु नगर पालिक निगम उज्जैन अन्तर्गत आने वाले विभिन्न विभागों द्वारा अपने विभाग के बजट प्रस्तावों को लेखा शाखा द्वारा एकत्रित करत निगम बजट प्रस्ताव तैयार किया गया है जिसे निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा एमआईसी में भेजा गया है। प्राप्त बजट प्रस्तवों पर महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा एमआईसी सदस्यों के साथ मंथन प्रारंभ किया गया है जिसमें विभागवार मदवार चर्चा की जा रही है। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने निर्देशित किया है कि शहर विकास के साथ ही नागरिकों के हितों का ध्यान में रखा जाए, निगम का यह बजट बचत वाला हो साथ ही आय-व्यय का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री प्रकाश शर्मा, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री कैलाश प्रजापत, श्री जितेन्द्र कुवाल, श्री अनिल गुप्ता, डॉ. योगेश्वरी राठौर, श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी, श्रीमती सुगन बाबुलाल वाघेला, अपर आयुक्त वित्त श्री दिनेश चौरसिया, श्री आर.एस. मण्डलोई, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी के साथ मनाएंगे परम पूज्य गुरूदेव बोध दिवस

उज्जैन। बोध दिवस, बसंत पंचमी पर गायत्री शक्तिपीठ पर दो दिवसीय आयोजन होंगे। जिसके अंतर्गत अखंड गायत्री महामंत्र जाप होगा, शाम 6:30 बजे से दीप यज्ञ होगा। वहीं सजल श्रद्धा, प्रखर प्रज्ञा का विशेष पूजन अभिषेक होगा। गायत्री यज्ञ, सरस्वती पूजन, मंत्र दीक्षा एवं अन्य संस्कार एवं पर्व संकल्प होगा। उपक्षोन समन्वयक एवं व्यवस्थापक गायत्री शक्तिपीठ महेश आचार्य ने सभी श्रद्धालुओं से आयोजन में भागीदारी करने की अपील की है।

हवन एवं ध्वजारोहण महोत्सव 14 फरवरी को

उज्जैन। श्री माणिभद्र यक्षराजजी के 551वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर श्री माणिभद्र जी की जन्म-स्थली घर देरासर श्री केशरियानाथ-माणिभद्र तीर्थधाम भेरूगढ़ पर समृद्धिशाली विशाल हवन एवं ध्वजारोहण महोत्सव कल 14 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। श्री आदिश्वर-चंदाप्रभु ट्रस्ट नयापुरा के मीडिया प्रमुख विकास कोठारी व प्रदीप दख ने बताया कि जिनआगमसेवी गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री दौलतसागर सुरीश्वरजी म. सा. एवं श्री माणिभद्र यक्षराज तीर्थोद्धारक व श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ के मार्गदर्शक आचार्य भगवंत श्री अशोकसागर सुरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद से. साध्वीवर्या श्री दमिताश्रीजी म.सा. तथा साध्वीवर्या हेम-प्रियदर्शनाश्रीजी म.सा. की शिष्या सम्यग दर्शानाश्रीजी म. सा. आदि ठाना 4 एवं उज्जैन में विराजित समस्त साधु भगवंत की पावन निश्रा में महोत्सव में सर्वप्रथम बुधवार प्रातः 8.30 पर श्री माणिभद्र स्नात्र मण्डल, नयापुरा द्वारा भव्य स्नात्र पूजन होगा। तत्पश्चात प्रातः 9 बजे श्री चन्दाप्रभु महिला मण्डल व श्री आदिश्वर बहु मण्डल द्वारा सत्तरभेदी महापूजन आरम्भ होगा। महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 10 बजे भव्य ध्वजरोहण आरम्भ होगा जिसके तहत श्री केशरियानाथ भगवान, श्री पार्श्वनाथ भगवान, श्री महावीरस्वामी भगवान, श्री माणिभद्र यक्षराज जी, श्री पद्मावती देवी माँ के शिखर पर ध्वजा चढाई जाएगी।

महोत्सव के तहत प्रातः 11 बजे समस्त मनोकामना पूर्ण करने वाला श्री माणिभद्र यक्षराज जी का विशाल हवन-पूजन का महाआयोजन शुरू होगा, जिसमें मुख्य हवन का लाभ बाबूलाल संजय कुमार सुनील कुमार पार्थ, निखिल नाहर परिवार फ्रीगंज उज्जैन ने लिया है। महोत्सव में प्रातः 8 बजे नवकारसी का आयोजन भी रखा गया जिसके लाभार्थी स्व. श्रीमती कोमलबाई स्व. श्री रतनलालजी, स्व. श्री श्रेणीक कुमारजी लुक्कड़ की स्मृति मे राजेंद्रकुमार, सुभद्रा, दानीश, नेहा, इधीका, सोनल एवं समस्त लुक्कड़ परिवार बागोद (इंदौर) वाले रहेंगे। महोत्सव में पूजन विधिकारक हेमंत वेदमुथा तथा मुधुकर संगीत ग्रुप संगीतमय करेंगे। प्रातः 11.30 बजे स्वामिवात्सल्य का आयोजन प्रारम्भ होगा। 551वें जन्मोत्सव पर अनुपम व महाचमत्कारी श्री माणिभद्र यक्षराज जी के महाभिषेक हवन पूजन में सम्मलित होकर अपने जीवन में ऐश्वय, वैभव, सम्पनता, शक्ति, उत्कर्ष, रिद्धि, समृद्धि व उन्नति करने के अनुपम अवसर पर पधारने का अनुरोध श्री आदिश्वर-चंदाप्रभु ट्रस्ट मण्डल, नयापुरा समस्त जैन श्रीसंघ ने करते हुए कहा कि मनोकामना पूर्ण करने वाले इस महोत्सव में पधारकर जिन शासन की शोभा में अभिवृद्धि करें।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना-प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुफ्त बिजली के लिए छत पर सौर ऊर्जा योजना- पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू करने की आज घोषणा की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया-निरंतर विकास और लोगों की भलाई के लिए, हम पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना शुरू कर रहे हैं। 75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान कर 1 करोड़ घरों को रोशन करना है। वास्तविक सब्सिडी से लेकर, जो सीधे लोगों के बैंक खातों में दी जाएगी, भारी रियायती बैंक ऋण तक, केन्द्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े। सभी हितधारकों को एक राष्ट्रीय ऑनलाइन पोर्टल से जोड़ा जाएगा जो आगे सहूलियत प्रदान करेगा।

इस योजना को जमीनी स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए, शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को अपने अधिकार क्षेत्र में छत पर सौर प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही, इस योजना से अधिक आय, कम बिजली बिल और लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा। आइए सौर ऊर्जा और निरंतर प्रगति को बढ़ावा दें। मैं सभी आवासीय उपभोक्ताओं, विशेष रूप से युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे pmsuryagarh.gov.in पर आवेदन करके पीएम-सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना को मजबूत करें।

2024 में कांग्रेस का सफाया होना तय

प्रधानमंत्री मोदी

झाबुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साल 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की छुट्टी हुई थी, अब 2024 में कांग्रेस का सफाया तय है। उन्होंने कहा कि सबसे पिछड़े और वंचितों का कल्याण, हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश प्रवास के दौरान झाबुआ के गोपालपुरा में आयोजित जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम के जरिए मध्य प्रदेश में 2024 लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में आए लोगों का गुजराती में अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि झाबुआ जितना मध्यप्रदेश से जुड़ा है, उतना ही गुजरात से जुड़ा है। यहाँ रहते हुए मुझे यहाँ के जनजीवन और परम्पराओं से करीब से जुड़ने का मौका मिला था। आपके बीच आकर वही भाव ताजा हो जाता है। इन दिनों इस क्षेत्र में भगोरिया की तैयारी चल रही होगी। मैं आप सभी को भगोरिया की शुभकामनाएं देता हूं। भगोरिया से पहले मुझे यहां ढेर सारी सौगात आपके चरणों में सुपुर्द करने का सौभाग्य मिला है।

400 पार की बात मैं भी सुन रहा हूं, लेकिन अकेली भाजपा 370 पार करेगी

यहां आने से पहले मैने देखा कि मेरी यात्रा को लेकर चर्चाएं हो रही है। कुछ लोग कह रहे हैं, मोदी मप्र में झाबुआ से लोकसभा की लड़ाई का आगाज करेगा। मैं बताना चाहता हूं मोदी लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए नहीं आया है। मैं मप्र की जनता का आभार व्यक्त करने आया हूं। मप्र में विस चुनाव नतीजों से पहले आप बता चुके हैं कि लोकसभा के लिए आपका क्या मूड है। प्रधानमंत्री ने अबकी बार 400 पार का नारा भी दोहराया। पीएम ने कहा कि एनडीए की 400 पार की बात मैं भी सुन रहा हूं। लेकिन अकेली भाजपा 370 पार करेगी। उन्होंने मौजूद लोगों से चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील करते हुए कहा कि आपको यहां से आकर एक ही काम करना है। पिछले तीन चुनाव में आपके यहां पोलिंग बूथ में क्या रिजल्ट आया था, उसे निकालो और कितने वोट पड़े वह निकालो और कमल को किस पोलिंग बूथ पर ज्यादा वोट मिले उसे लिख लो और जहां ज्यादा वोट मिले वहां 370 वोट ज्यादा मिलने चाहिए, ऐसी तैयारी करें।

देश के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है आदिवासी समाज

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश को बीमार बनाने के पीछे कांग्रेस का गाँव, गरीब और आदिवासी समाज के प्रति नफरत भरा रवैया था। कांग्रेस के लिए आदिवासी का मतलब कुछ वोट होता है। इन्हें गरीबों की याद सिर्फ चुनाव के समय याद आती थी। अटल जी की सरकार ने आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय बनाया। ये भाजपा की सरकार है, जिसने वन उपज पर एमएसपी में वृद्धि की। करीब 90 वन उत्पादों को एमएसपी के अंतर्गत लाया गया। हमारे लिए जनजातीय समाज वोट बैंक नहीं देश का गौरव है। देश के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है आदिवासी समाज।

सबसे पिछड़े और सबसे वंचित हमारी सरकार की प्राथमिकता

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने इतने वर्षों में सिर्फ 100 एकलव्य स्कूल खोले, जबकि भाजपा की सरकार ने इससे चार गुना ज्यादा स्कूल खोले हैं। एक भी आदिवासी बच्चा शिक्षा के अभाव में रह जाए यह संभव नहीं। भाजपा ने वन संपदा कानून में सुधार किया और आदिवासियों को उनके अधिकार लौटाए। इसके अलावा सिकल सेल एनीमिया के लिए हमारी सरकार ने काम किया। आज स्वामित्व योजना के माध्यम से लोगों को उनकी जमीन के कागज दिए जा रहे हैं। आज भी लाखों लोगों को स्वामित्व अधिकार पत्र दिए हैं। ये वो सुरक्षा पत्र है, जिससे जमीन विवाद में सुरक्षा मिलती है। जो सबसे पिछड़े और सबसे वंचित हैं वही हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

कांग्रेस को तो बस अपने महल की चिंता थी

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्स्चर विकास के लिए काम कर रही है। पिछली सरकारों के मुकाबले हम 24 गुना ज्यादा पैसा मध्यप्रदेश को दे रहे हैं। आज एक एक सेक्टर में करोड़ों रुपये भेजा जा रहा है। पहले जनजाति इलाकों तक रेल, सड़क की परियोजना पहुँचती ही नहीं थी क्योंकि कांग्रेस को तो बस अपने महल की चिंता थी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी जनजातीय सम्मेलन में 7500 करोड़ की सड़क, रेल, बिजली और जल क्षेत्र से संबंधित 22 विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री मोदी रथ पर सवार होकर लोगों का अभिवादन करते हुए जनजातीय सम्मेलन के मंच तक पहुंचे। जनजातीय महासम्मेलन के मंच पर पहुंचने पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अलग-अलग जिलों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पहुंचे हैं। लोगों ने मोदी-मोदी ने नारे लगाकर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री को आदिवासी जैकेट, पीला साफा, वनवासी राम का मोमेंटो और आदिवासी तीर कमान भेंट किया गया। कार्यक्रम से पूर्व पीएम मोदी ने जनजातीय महासम्मेलन में विभिन्न विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा, राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे।

रवि योग में उमंग उल्लास व सरस्वती पूजन का अबूझ संयोग वसंत पंचमी

उमंग उल्लास व सरस्वती पूजन का पर्व वसंत पंचमी 14 फरवरी को मनाया जाएगा। इस बार बसंत पंचमी पर शुभ योग की साक्षी रहेगी। धर्म शास्त्र के अनुसार शुभ योग के स्वामी भगवान श्री गणेश हैं। इस योग में सुख सौभाग्य तथा मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए विशेष अनुष्ठान किए जा सकते हैं। इस योग में मां सरस्वती का पूजन भी शुभ फलदायी माना गया है।

विशेष बात यह है कि बसंत पंचमी पर रवि योग भी रहेगा यह योग स्वर्ण की खरीदी तथा नवीन प्रतिष्ठान के शुभारंभ के लिए विशेष माना गया है।

इन विशिष्ट योग में विवाह आदि मांगलिक कार्य भी शुभ फलदायी माने गए हैं।

इस बार बसंत पंचमी बुधवार के दिन

इस बार बसंत पंचमी बुधवार के दिन रेवती नक्षत्र, शुभ योग तथा मीन राशि के चंद्रमा की साक्षी में आ रही है।

शुभ योग को भगवान श्री गणेश का विशेष आशीर्वाद प्राप्त है। इसलिए इस योग में किए गए कार्य रिद्धि सिद्धि के साथ शुभ लाभ प्रदान करने वाले माने गए हैं।

कार्य की सफलता 5 गुना शुभ फलदायी

रेवती नक्षत्र पंचक का अन्तिम नक्षत्र है। इस दृष्टि से उतरते नक्षत्र में किए गए कार्य की सफलता 5 गुना शुभ फलदायी मानी जाती है। ऐसे शुभ लक्षणों से युक्त बसंत पंचमी पर माता सरस्वती की पूजा, नवीन प्रतिष्ठानों का शुभारंभ, गृह प्रवेश, गृह आरंभ तथा विवाह आदि मांगलिक कार्य करना शुभ माना गया है।

विद्या आरंभ के लिए सर्वोत्तम दिन

डॉ. तिवारी ने बताया कि बसंत पंचमी ज्ञान की देवी माता सरस्वती के प्राकट्य का दिन है। इस दिन बच्चों का विद्या आरंभ संस्कार कराया जाता है।

मान्यता है इस दिन ली गई दीक्षा और प्राप्त की गई शिक्षा जीवन पर्यंत शुभ बुद्धि के रूप में विराजमान रहती है। इसलिए विद्या आरंभ व पूजन की परंपरा शास्त्रों में भी बताई गई है।

दिनभर करें स्वर्ण व वाहनों की खरीदी

भारतीय ज्योतिष शास्त्र में योग संयोग का बड़ा महत्व है। इस बार बसंत पंचमी पर रवि योग का संयोग रहेगा। रवि योग के संबंध में कहा जाता है कि इस दिन किसी नए कार्य की शुरुआत करने से सफलता प्राप्ति का योग प्रबल हो जाता है। इसलिए इस योग में नए कल कारखाने की शुरुआत, नई दुकान का शुभारंभ, दो व चार पहिया वाहनों की खरीदी तथा सोना खरीदना विशेष माना गया है। स्वर्ण से बने आभूषण व सोने के सिक्के भी इस दिन खरीदने का विशेष महत्व है।

भारत ने बनाई सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अर्थव्यवस्था

नोबेल विजेता स्पेंस

चूंकि, भारत इस समय उच्चतम संभावित विकास दर वाली एक प्रमुख अर्थव्यवस्था है, नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री ए माइकल स्पेंस ने कहा कि देश ने दुनिया में अब तक की सबसे अच्छी डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्त पारिस्थितिकी तंत्र सफलतापूर्वक विकसित किया है। 2001 में आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित स्पेंस ने सोमवार को ग्रेटर नोएडा में बेनेट विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत के दौरान अपने विचार साझा किए।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नोबेल पुरस्कार विजेता ने कहा-अभी उच्चतम संभावित विकास दर वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत है। भारत ने दुनिया में अब तक की सबसे अच्छी डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्त वास्तुकला को सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह खुला, प्रतिस्पर्धी है और विशाल क्षेत्र में समावेशी प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है। स्पेंस ने यह भी बताया कि दुनिया वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक प्रकार के शासन परिवर्तन का अनुभव कर रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास का पता लगाते हुए, स्पेंस ने कहा कि 70 साल पुरानी वैश्विक प्रणाली महामारी, भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु झटके आदि के कारण टूट रही है।

इस बात पर जोर देते हुए कि वैश्विक प्रणाली-जो दक्षता और तुलनात्मक लाभ के विचारों पर केंद्रित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे आर्थिक मानदंडों पर बनी है- तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रही है, उन्होंने बताया कि एक सदमे-ग्रस्त दुनिया में, सिंगल सोर्सिंग का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा कि गुरुत्वाकर्षण का केंद्र लगातार पूर्व की ओर स्थानांतरित होने के साथ, वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक बुनियादी बदलाव आ रहा है, जिससे आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता आ रही है और वैश्विक शासन पहले से कहीं अधिक जटिल होता जा रहा है। चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद, उन्होंने कहा कि जो बात आशावाद देती है वह इस प्रश्न का सकारात्मक उत्तर है- क्या हमारे पास मानव कल्याण को बढ़ाने के लिए जवाबी उपाय हैं?

उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारी प्रगति को भी रेखांकित किया जो जनरेटिव एआई, बायोमेडिकल जीवन विज्ञान में क्रांति और बड़े पैमाने पर ऊर्जा परिवर्तन सहित मानव कल्याण को बढ़ाने में योगदान दे सकता है।

उन्होंने सौर ऊर्जा के प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण का उदाहरण दिया और कहा कि डीएनए अनुक्रमण की लागत पहले के 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर अब 250 अमेरिकी डॉलर हो गई है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि इस तकनीकी विकास में नकारात्मक पहलू भी हैं, और उन्होंने बड़े और छोटे दोनों व्यवसायों के लिए इसकी उपलब्धता पर जोर दिया।

8 हजार प्रशिक्षणार्थियों को 6 करोड़ 60 लाख रूपए स्टाइपेंड सिंगल क्लिक से वितरित किए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दिवस विज्ञान में महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहित करने और इसे रेखांकित करने को समर्पित है। इस उद्देश्य से यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है और इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मैं स्वयं गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ। विश्व के सभी देशों की दृष्टि से यह दिन महत्वपूर्ण तो है ही परंतु भारत के संदर्भ में इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि हमारी संस्कृति में सदैव मातृ शक्ति को सम्मान दिया गया है। हमारे यहाँ ज्ञान की देवी सरस्वती और धन की देवी लक्ष्मी हैं तथा हम देश को भी भारत माता के स्वरूप में स्वीकार करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महिलाओं की विज्ञान में सहभागिता के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश की प्रथम नागरिक महिला ही हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान हैं। यह लोकतंत्र की सुंदरता है, और इस व्यवस्था से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हम सबके मन में सम्मान बढ़ा है। यह इस बात का भी संकेत है कि हमारे देश में महिलाओं के लिए सभी पदों व संभावनाओं के लिए द्वार खुले हैं, वे आगे बढ़ने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करें, शासन और समाज उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 12 जनजातीय जिलों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेजों की बहनों को सम्मानित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी विज्ञान के क्षेत्र में विशेष ध्यान देते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रयासरत हैं। माताओं-बहनों की स्थिति में भी लगातार सुधार हो रहा है। बहन-बेटियों के विज्ञान, तकनीक और इंजीनियरिंग की दिशा में आगे बढ़ने से देश-प्रदेश की दशा और दिशा बदलेगी। हमारे सभी आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज में समय की माँग और आवश्यकतानुसार विश्व स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि 11 फरवरी को महिलाओं की विज्ञान में सहभागिता का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। जिसे यूनेस्को और द्वारा नागरिक समाज की साझेदारी के साथ समन्वित रूप से क्रियान्वित किया जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की विभिन्न संस्थाओं में सिंगल क्लिक से विभिन्न पाठ्यक्रमों व प्रशिक्षण सत्रों का डिजिटली शुभारंभ किया। इंडो जर्मन इनिशियेटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन अंतर्गत प्रदेश की सभी शासकीय आईटीआई में इंडस्ट्रियल सेफ्टी ट्रेनिंग का शुभारंभ किया गया। आईआईटी दिल्ली के सहयोग से ऑनलाईन मोड में ट्रेनिंग के लिए जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं इंटरनेट ऑफ थिंग के कोर्स और ब्लॉकचेन बिल्डर टेक्नोलॉजी कोर्स का उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज में शुभारंभ किया। इसी प्रकार एसव्ही पॉलिटेक्निक भोपाल में वर्चुअल रियालिटी और ऑगमेटेड रियालिटी कोर्स का भी शुभारंभ किया गया। आईआईटी इंदौर के सहयोग से महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज भोपाल में प्रोक्योरमेंट एसेन्शियल फॉर स्टूडेंट एडवांसमेंट कोर्स का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीखो कमाओ योजना में आठ हजार चयनित प्रशिक्षणार्थियों को 6 करोड़ 60 लाख रूपए स्टाइपेंड सिंगल क्लिक के माध्यम से वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एसटीईएम (साइंस, टेक्नॉलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में निपुण महिलाओं का सम्मान किया और रोजगार मेलों में चयनित महिला अभ्यर्थियों कुमारी महक शुक्रवारे, कुमारी रूबी सिंह यादव, कुमारी ऐश्वर्या तिवारी, कुमारी रागिनी रावत, कुमारी श्रद्धा कुशवाह, कुमारी आरती कुदापे आदि को ऑफर लेटर वितरित किए।

अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास श्री मनु श्रीवास्तव ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश में विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और गणित की शिक्षा (स्टेम) में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों, आई.टी.आई., पॉलिटेक्निक और यूएन वूमेन के सहयोग से इस दिशा में विशेष प्रयाए हो रहे हैं।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों द्वारा निर्मित स्मृति चिन्ह मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को महिला पॉलेटिक्नक भोपाल की छात्राओं ने हस्तनिर्मित अंगवस्त्रम भेंट किया, जिसमें छात्राओं ने स्वयं राम मंदिर का चित्र बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कौशल विकास विभाग द्वारा श्रीराम का विशाल चित्र भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, अध्यक्ष कौशल एवं रोजगार निर्माण बोर्ड श्री शैलेन्द्र शर्मा, कंट्री हेड यूएन वूमेन सुश्री सुजेन फरग्यूसन, सीनियर प्रोफेसर आईआईटी श्री देवाशीष मित्रा तथा विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाएं तथा इंजीनियरिंग व तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

बीमा सुगम क्या यह बीमा उद्योग का क्रांतिकारी परिवर्तन है?

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण की इलेक्ट्रॉनिक बीमा बाजार-बीमा सुगम-स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना फलीभूत होने के एक कदम करीब है। बीमा नियामक ने 13 फरवरी को बीमाकर्ताओं, पॉलिसीधारकों और मध्यस्थों को एक आम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की बहुप्रतीक्षित योजना पर मसौदा नियम जारी किए। यह बाजार जीवन, स्वास्थ्य और सामान्य बीमा पॉलिसियों की बिक्री और खरीद के साथ-साथ पॉलिसी सर्विसिंग, दावा निपटान और शिकायत निवारण की सुविधा प्रदान करेगा। इस प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए ग्राहकों को कोई शुल्क नहीं देना होगा। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत गठित होने वाली यह एक गैर-लाभकारी कंपनी होगी।

बीमा सुगम क्या है?

इसे सभी प्रकार के बीमा के लिए Amazon (अमेजॅन) की तरह एक बीमा बाजार के रूप में सोचें सभी जीवन, स्वास्थ्य और सामान्य बीमा के बीमा उत्पाद बीमा सुगम पर सूचीबद्ध होंगे।

☞पॉलिसीधारक सीधे बीमा सुगम के माध्यम से या एक एजेंट के माध्यम से बीमा खरीद सकते हैं जो इसे बीमा सुगम से भी प्राप्त कर सकता है।

☞पॉलिसीधारक बीमा सुगम के माध्यम से प्रीमियम की तुलना कर सकते हैं और मोटर बीमा जैसी जीवन, स्वास्थ्य और सभी सामान्य बीमा पॉलिसियां खरीद सकते हैं।

☞बीमा नियामक (आईआरडीएआई) का कहना है?

☞बीमा उत्पादों की उपलब्धता, पहुंच और सामर्थ्य बढ़ाने के लिए बीमा सुगम।

उपलब्धता-बीमा सुगम टियर II और III क्षेत्रों में बीमा ले जाने में एक बड़ा उत्प्रेरक हो सकता है (बीमा का लोकतंत्रीकरण)।

पहुंच-सभी बीमाकर्ताओं, पॉलिसीधारकों, एग्रीगेटर्स, एजेंटों के पास बीमा सुगम तक पहुंच होगी।

सामर्थ्य (सबसे महत्वपूर्ण)-चूंकि बीमा सुगम एक गैर-लाभकारी संस्था है, इसलिए बीमा पॉलिसियों की बिक्री पर कमीशन कम किया जा सकता है, जिससे बीमा उत्पाद की लागत भी कम हो जाएगी।

निष्कर्ष

☞बीमा सुगम सिर्फ बीमा नहीं बेचेगा, सेवा भी देगा और दावों का निपटारा भी बीमा सुगम से होगा।

☞बीमा सुगम से बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक तीव्रता बढ़ने की उम्मीद।

☞अन्य खिलाड़ियों को कमीशन कम करने के लिए बाध्य कर सकता है, मार्जिन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

☞पॉलिसीधारकों के लिए सकारात्मक, क्योंकि कमीशन कम करने से बिक्री बढ़ सकती है।

☞बीमा खरीदना बहुत अधिक सुविधाजनक हो सकता है।

☞प्लेटफॉर्म पर नियामक निरीक्षण के साथ दावा निपटान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो सकती है।

☞आईआरडीएआई द्वारा बताई गई बीमा सुगम की संरचना।

☞कंपनी अधिनियम के तहत लाभ के लिए नहीं कंपनी।

☞बीमा सुगम की शेयरधारिता जीवन, सामान्य और स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं के बीच व्यापक रूप से है।

☞बीमा सुगम में किसी एक इकाई की नियंत्रण हिस्सेदारी नहीं होगी।

☞IRDAI बीमा सुगम के बोर्ड में 2 सदस्यों को नामांकित करेगा।

☞बीमा सुगम बोर्ड एक जोखिम प्रबंधन समिति का गठन करेगा।

☞बीमा सुगम की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

कुपोषित बच्चों की संख्या में उज्जैन जिला अव्वल

मध्यप्रदेश में कुपोषित बच्चों की संख्या के मामले में उज्जैन संभाग में उज्जैन जिला अव्वल हैं। उज्जैन संभाग में कुल 7 जिले शामिल है। उज्जैन संभाग में अति कुपोषित एवं कुपोषित कुल 14,156 बच्चे कुपोषण के शिकार है। यह आंकड़ा एक अधिकृत जानकारी में उजागर हुआ। बच्चों के कुपोषण में इन सभी जिलों में उज्जैन जिला प्रथम पायदान पर है। जिला उज्जैन में सर्वाधिक कुपोषण के शिकार 3451 बच्चे सामने आए हैं। उज्जैन संभाग में शाजापूर, आगर, देवास, मंदसौर, नीमच, रतलाम एवं उज्जैन जिले शामिल हैं।

शासकीय परिभाषित जानकारी में कुपोषित बच्चों की दो श्रेणियां है। एक अतिपोषित (एसएएम) तथा दूसरी कुपोषित (एमएएम) है। इन दोनों वर्गा में से पहले वर्ग में उज्जैन जिले में 571 बच्चे तथा दूसरी कुपोषित श्रेणी में 2880 बच्चे कुपोषण की गिरफत में है। दोनों वर्ग के योग का आकंड़ा 3451 संभाग उज्जैन के सभी जिलों में सर्वाधिक है, जबकि उज्जैन संभाग में सबसे कम पोषित बच्चों में आगर जिला है। इस जिले में मात्र 617 बच्चें हैं। आगर जिले में अति कुपोषित 78 तथा कुपोषित 530 बच्चें है। शासकीय जानकारी की यह संख्या 30 जनवरी 2024 की स्थिति में आंकी गई है, जोकि मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम में दर्ज आंकड़ों से संधारित है। जानकारी में मप्र के 52 जिलों की पृथक-पृथक संख्या दर्शायी गई है। इस जानकारी के मुताबिक समूचे मप्र स्तर पर दोनों वर्ग अतिकुपोषित एवं कुपोषित बच्चों की संख्या एक लाख 36 हजार 252 प्रकट है। जिसमें अतिकुपोषित वर्ग में 29, 830 तथा कुपोषित वर्ग में 1लाख 6 हजार 422 की संख्या शामिल है। उक्त तथ्य की जानकारी अनुविभाग अधिकारी मप्र शासन महिला एवं विकास विभाग मंत्रालय भोपाल के हस्ताक्षर से प्रदत्त है। इस अभिलेख पर संयुक्त संचालक महिला एवं के हस्ताक्षर भी है। इस दस्तावेज की प्रतिलिपि हिंदुस्थान समाचार संवाददाता नागदा के पास सुरक्षित है। यह जानकारी 9 फरवरी 2024 को महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने विधानसभा में एक अतांराकित प्रश्न के जवाब में उपलब्ध कराई है। एमएलए आतिफ आरिफ अकील के सवाल पर समूचे प्रदेश की जिलेवार सूची प्रस्तुत की है।

आकड़ों को समूचे मप्र की कसौटी पर आंका जाए तो प्रदेश के कुल एक लाख 36 हजार 252 कुपोषित बच्चों में से धार जिला प्रदेश में अव्वल है। इस जिले में दोनों वर्ग के कुपोषित बच्चों की संख्या 9724 सामने आई है। जिसमें अति कुपोषित 2411 तथा कुपोषित 7313 बच्चे शूमार हैं। मप्र में दूसरे क्रम पर छिंदवाडा जिला नजर आ रहा है। इस जिले का आंकड़ा कुल 9627 बच्चों का है। जिसमें अति कुपोषित 1864 तथा कुपोषित 7763 बच्चें है। मप्र में तीसरे क्रम पर कुपोषित बच्चों में बड़वानी जिला है। इस जिले में दोनो वर्ग का योग 6608 है। जिसमें अतिपोषित 1553 तथा 5095 बच्चों पर कुपोषण का प्रकोप है।

समूचे प्रदेश में सबसे कम की संख्या को देखा जाए तो निमाड़ी जिले का स्थान है। यहां पर कुपोषित बच्चों की संख्या 403 बच्चों तक सिमटी है। जिसमें अति कुपोषित मात्र 99 तथा कूपोषित का आंकड़ा 304 है। प्रदेश में सबसे कम की दूसरी पायदान में दतियां जिले का नाम शामिल किया जा सकता है। यहां पर आंकड़ा दोनों वर्ग का 427 है। जिसमें से अति कुपोषित 113 तथा कुपोषित 314 है। इसी प्रकार से कम की तीसरी पायदान पर हरदा जिला है। यहां पर कुल 480 बच्चों पर कुपोषण का प्रकोप हैं। जिसमें 78 अतिकोपोषित एवं 402 कुपोषण की श्रेणी में हैं। इस जिले के आंकडे की खासियत यह हैकि मात्र अति कूपोषित बच्चों की श्रेणी का अध्ययन किया जाए तो इस जिले में मात्र 78 का आंकड़ा सबसे कम बच्चों का है। अति कुपोषण की सबसे कम संख्या में आगर जिला दूसरे क्रम पर है जहां मात्र 87 बच्चे अतिकुपोषित है। इस वर्ग में निमाड़ी का नाम तीसरी क्रम पर है। यहां पर आकड़ा 99 पर टिका हुआ है।

अन्य जिलों में दोनों वर्ग के कुल पोषित बच्चों की संख्या इस प्रकार-बैतुल-4555, नर्मदापुरम- 3206, रीवा-5439, सतना-5027,सीधी-2515, सिंगरोली-3101, छतरपुर 1756, दमोह- 2926, पन्ना-1610, टीकमगढ- 1454, अनूपपुर-2080, शहडोल-2697, उमरिया-877, देवास-3263, मंदसौर-2316, नीमच- 1021, रतलाम 2603, शाजापूर-805, भोपाल-3257, रायसेन-1358, राजगढ़-1912, सिहोर-1217, विदिशा-2107, भिंड-2814, मुरैना-2910, श्योपुर- 991, अशोक नगर-1611, दतिया- 427, गुना-3198, ग्वालियर- 2663, शवपुरी-2775,अलिराजपुर-1275, बुरहानपुर- 751, इंदौर-3602, झाबुआ-3028, खंडवा-1915, खरगोन-2658, बालाघाट- 2515 डिडोरी-1398, जबलपुर-3089, कटनी-1530, मंडला-2162, नरसिंहपुर-1981 एवं सिवनी में 1993 बच्चे दोनों वर्ग के कुपोषित है।

45 दिन में बनी लखपति, भीख मांगकर जुटाए ढाई लाख

इंदौर। क्या भीख मांग कर भी कोई लखपति बन सकता है? इसका जवाब इंदौर की महिला ने दिया है। उसने खुद ये बात स्वीकार की है कि उसने 45 दिन में भीख मांग कर ढाई लाख रुपए इकट्ठा कर लिए. दरअसल इस महिला को और उसकी बेटी को एक ऑपरेशन के दौरान रेसक्यू किया था। लेकिन पुलिस को हैरानी तो तब हुई जब महिला भीख मांग कर अपनी कमाई बताई।

महिला ने बताया कि उसने 45 दिन में ढाई लाख रुपए कमाए। इसमें से एक लाख रुपए उसने राजस्थान में अपने घर भेज दिए और 50 हजार रुपए की बैंक में एफडी बना दी। पूछताछ के दौरान महिला के पास से 19 हजार 200 रुपए मिले जो उसने पिछले 7 दिनों में कमाए थे। वहीं उसकी बेटी ने सुबह से लेकर दोपहर डेढ़ बजे तक 600 रुपए इकट्ठा किए थे। .ये केवल एक परिवापर की कहानी नहीं है। बल्कि ऐसे कई लोग है जिन्होंने भीख मांगने को अब जरूरत नहीं बल्कि आय का एक जरिया बना लिया है। महिला की भीख मांगकर सालाना इनकम 20 लाख रुपए बताई जा रही हैं।

महिला ने पूछताछ के दौरान कई और खुलासे भी किए हैं। उसने बताया कि राजस्थान में इनके गांव से करीब 100 से ज्यादा लोग भीख मांगने आए थे। वह लोग अभी भी भीख मांगते हैं और जब भी कोई कार्रवाई होती है तो वो छिप जाते हैं। दरअसल कलेक्टर आशीष सिंह ने भीख मांगने वालों को लेकर इलाके में जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद जब अधिकारी ऑपरेशन के लिए गए तो एक परिवार को भीख मांगते देखा जिसमें पति पत्नी और तीन बच्चे शामिल थे।

महिला के पकड़े जाने के बाद उसके गांव से भीख मांगने आए लोग पलायन कर चुके हैं और उसका पति भी अपने बच्चों को लेकर गांव जा चुका है। उसने अपील की है कि उसकी पत्नी को छोड़ दिया जाए और अब वो भीख नहीं मांगेगी।

हरित हाइड्रोजन मिशन-वैश्विक नेता बनने की दिशा में एक साहसिक कदम

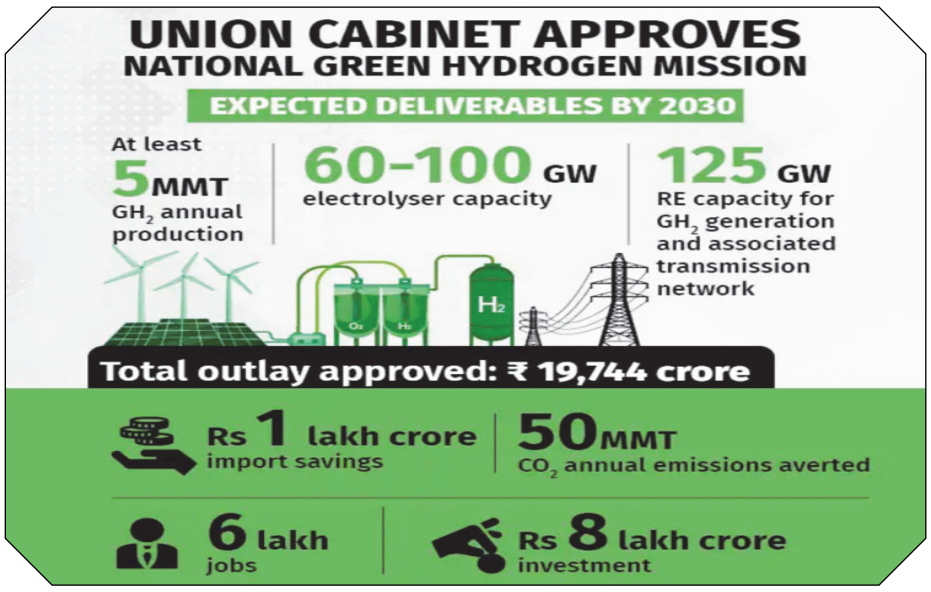

भारत ने उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए निविदाओं के साथ महत्वाकांक्षी हरित हाइड्रोजन मिशन का अनावरण किया। 19,744 करोड़ के परिव्यय के साथ, मिशन का लक्ष्य 2030 तक प्रति वर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन की विशाल ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता हासिल करना है। हरित हाइड्रोजन में वैश्विक नेता बनने की दिशा में एक साहसिक कदम में, भारत ने 19,744 करोड़ के प्रभावशाली परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) शुरू किया है। इस मिशन का लक्ष्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन, उपयोग और निर्यात के केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

मुख्य विचार-

- **हरित हाइड्रोजन उत्पादक**-4,12,000 टन प्रति वर्ष की कुल क्षमता के साथ उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने के लिए 10 कंपनियों को निविदाएं प्रदान की गईं।
- **इलेक्ट्रोलाइजर निर्माता**-8 कंपनियों ने प्रति वर्ष कुल 1,500 मेगावाट की विनिर्माण क्षमता बनाने के लिए निविदाएं हासिल की।
- **योजना दिशानिर्देश**-आगे विस्तार को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन अमोनिया और ग्रीन हाइड्रोजन के एकत्रीकरण मॉडल के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए गए।
- **ग्रीन हाइड्रोजन हब**-स्थापना के लिए दो हब की पहचान की गई है, जिसमें 3 प्रमुख बंदरगाहों को हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित करने के लिए निर्धारित किया गया है।
- **पायलट परियोजनाएँ**-शिपिंग क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन के उपयोग के लिए पहल की योजना बनाई गई है।
- **गैस ट्रेडिंग एक्सचेंज**-इंडियन गैस एक्सचेंज लिमिटेड (आईजीएक्स) पारदर्शी गैस ट्रेडिंग की सुविधा के लिए पहले गैस एक्सचेंज के रूप में अधिकृत है।

उद्देश्य-

- **2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता हासिल करना।**
- **वैश्विक ग्रीन हाइड्रोजन बाजार में भारत को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना।**
- **विभिन्न क्षेत्रों में टिकाऊ ऊर्जा प्रथाओं को अपनाने में तेजी लाना।**
- **क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर पैदा करना।**

प्रभाव-

- **कार्बन उत्सर्जन कम करें और जलवायु परिवर्तन को कम करें।**
- **ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना।**
- **एक संपन्न हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र बनाएं और निवेश आकर्षित करें।**
- **वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना।**

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर नक्षत्र की तरह उभरा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पिछले 10 साल में देश का नक्शा बदल गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर नक्षत्र की तरह उभरा है।

पहले देश आर्थिक शक्ति के रूप में 10वें स्थान पर था, जो अब 5वें स्थान पर पहुंच गया है। आने वाले दिनों में देश को हम तीसरी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया सोमवार को डबरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ वितरित करने के लिए आयोजित शिविर को संबोधित कर रहे थे। शिविर में विभिन्न हितग्राहियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी वितरित किया गया।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने सुचित्रा सिंह एवं सरोज परिहार से भी संवाद किया। इन दोनों हितग्राहियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है, जिसके कारण इनके जीवन में परिवर्तन आया है। सुचित्रा परिहार को लाड़ली बहना योजना, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेण्डर उपलब्ध हुआ है। इसके साथ ही इनकी बेटी को भी लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही सरोज परिहार द्वारा गठित स्व-सहायता समूह को आर्थिक मदद उपलब्ध कराकर समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्तिकरण का कार्य किया गया है।

सिंधिया ने समारोह में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को हितलाभों का वितरण भी किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश भर में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से अनेक लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है।

पूर्व मंत्री इमरती देवी ने कहा कि प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार के माध्यम से आम जनों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

विकास कार्यों के साथ-साथ आम लोगों के जीवन को और बेहतर बनाने के लिये भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सार्थक पहल हो रही है।

इस अवसर पर विधायक मोहन सिंह राठौर, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल, पूर्व विधायक जवाहर सिंह रावत सहित नगर पालिका अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

क्या राम विरोधी ही कांग्रेस में रहेंगे-प्रमोद कृष्णम

संभल। कांग्रेस से निष्कासन के बाद आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रेसवार्ता कर कहा कि क्या कांग्रेस में सिर्फ वही रह सकते हैं जो राम का अपमान करें। जो सनातन को मिटाने की बात करें। जो हिन्दुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम करें। राम और राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि निष्कासन बहुत छोटी चीज है। राम, राष्ट्रीय अस्मिता और सनातन पर कोई समझौता नहीं कर सकता। कांग्रेस ने मुझे मुक्ति देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कि मौजूदा विपक्ष नरेन्द्र मोदी से नफरत करते-करते भारत से नफरत करने लगा है। कांग्रेस बताये क्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना पार्टी विरोधी आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पूछा कि क्या अयोध्या जाना और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना पार्टी विरोधी है। क्या राम का नाम लेना पार्टी विरोधी है। कांग्रेस बताए कि पार्टी विरोधी गतिविधियां क्या थीं। क्या कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास कराना पार्टी विरोधी है। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलना पार्टी विरोधी है। कांग्रेस ने आचार्य प्रमोद कृष्णम को छः साल के लिए निष्कासित किया है। इस पर उन्होंने कहा कि भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास दिया गया था तो एक रामभक्त को केवल छः साल के लिए ही क्यों निकाला जा रहा है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमित्त सरसंघचालक जी का लेख

मंदिर पुनर्निर्माण के साथ-साथ भारत के पुनर्निर्माण को पूर्णता में लाने का संकल्प-डॉ. मोहन भागवत

हमारे भारत का इतिहास पिछले लगभग डेढ़ हजार वर्षों से आक्रांताओं से निरंतर संघर्ष का इतिहास है। आरंभिक आक्रमणों का उद्देश्य लूटपाट करना और कभी-कभी (सिकंदर जैसे आक्रमण) अपना राज्य स्थापित करने के लिए होता था। परंतु इस्लाम के नाम पर पश्चिम से हुए आक्रमण यह समाज का पूर्ण विनाश और अलगाव ही लेकर आए। देश-समाज को हतोत्साहित करने के लिए उनके धार्मिक स्थलों को नष्ट करना अनिवार्य था, इसलिए विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत में मंदिरों को भी नष्ट कर दिया। ऐसा उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि अनेकों बार किया। उनका उद्देश्य भारतीय समाज को हतोत्साहित करना था ताकि भारतीय स्थायी रूप से कमजोर हो जाएँ और वे उन पर अबाधित शासन कर सकें।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर का विध्वंस भी इसी मनोभाव से, इसी उद्देश्य से किया गया था। आक्रमणकारियों की यह नीति केवल अयोध्या या किसी एक मंदिर तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए थी।

भारतीय शासकों ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, परन्तु विश्व के शासकों ने अपने राज्य के विस्तार के लिए आक्रामक होकर ऐसे कुकृत्य किये हैं। परंतु इसका भारत पर उनकी अपेक्षानुसार वैसा परिणाम नहीं हुआ, जिसकी आशा वे लगा बैठे थे। इसके विपरीत भारत में समाज की आस्था निष्ठा और मनोबल कभी कम नहीं हुआ, समाज झुका नहीं, उनका प्रतिरोध का जो संघर्ष था वह चलता रहा। इस कारण जन्मस्थान बार-बार पर अपने आधिपत्य में कर, वहां मंदिर बनाने का निरंतर प्रयास किया गया। उसके लिए अनेक युद्ध, संघर्ष और बलिदान हुए। और राम जन्मभूमि का मुद्दा हिंदुओं के मन में बना रहा।

1857 में विदेशी अर्थात ब्रिटिश शक्ति के विरुद्ध युद्ध योजनाएं बनाई जाने लगी तो उसमें हिंदू और मुसलमानों ने मिलकर उनके विरुद्ध लड़ने की तैयारी दर्शाई और तब उनमें आपसी विचार-विनिमय हुआ। और उस समय गौ-हत्या बंदी और श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति के मुद्दे पर सुलह हो जाएगी, ऐसी स्थिति निर्माण हुई। बहादुर शाह जफर ने अपने घोषणापत्र में गौहत्या पर प्रतिबंध भी शामिल किया। इसलिए सभी समाज एक साथ मिलकर लड़े। उस युद्ध में भारतीयों ने वीरता दिखाई लेकिन दुर्भाग्य से यह युद्ध विफल रहा, और भारत को स्वतंत्रता नहीं मिली, ब्रिटिश शासन अबाधित रहा, परन्तु राम मंदिर के लिए संघर्ष नहीं रुका।

अंग्रेजों की हिंदू मुसलमानों में फूट डालो और राज करो की नीति के अनुसार, जो पहले से चली आ रही थी और इस देश की प्रकृति के अनुसार अधिक से अधिक सख्त होती गई। एकता को तोड़ने के लिए अंग्रेजों ने संघर्ष के नायकों को अयोध्या में फाँसी दे दी और राम जन्मभूमि की मुक्ति का प्रश्न वहीं का वहीं रह गया। राम मंदिर के लिए संघर्ष जारी रहा।

1947 में देश को स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद जब सर्वसम्मति से सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया, तभी ऐसे मंदिरों की चर्चा शुरू हुई। राम जन्मभूमि की मुक्ति के संबंध में ऐसी सभी सर्वसम्मति पर विचार किया जा सकता था, परंतु राजनीति की दिशा बदल गयी। भेदभाव और तुष्टीकरण जैसे स्वार्थी राजनीति के रूप प्रचलित होने लगे और इसलिए प्रश्न ऐसे ही बना रहा। सरकारों ने इस मुद्दे पर हिंदू समाज की इच्छा और मन की बात पर विचार ही नहीं किया। इसके विपरीत, उन्होंने समाज द्वारा की गई पहल को उध्वस्त करने का प्रयास किया। स्वतन्त्रता पूर्व से ही इससे संबंधित चली आ रही कानूनी लड़ाई निरंतर चलती रही। राम जन्मभूमि की मुक्ति के लिए जन आंदोलन 1980 के दशक में शुरू हुआ और तीस वर्षों तक जारी रहा।

वर्ष 1949 में राम जन्मभूमि पर भगवान श्री रामचन्द्र की मूर्ति का प्राकट्य हुआ। 1986 में अदालत के आदेश से मंदिर का ताला खोल दिया गया। आगामी काल में अनेक अभियानों एवं कारसेवा के माध्यम से हिन्दू समाज का सतत संघर्ष जारी रहा। 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला स्पष्ट रूप से समाज के सामने आया। जल्द से जल्द अंतिम निर्णय के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने के लिए आगे भी आग्रह जारी रखना पड़ा। 9 नवंबर 2019 में 134 वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सत्य और तथ्यों को परखने के बाद संतुलित निर्णय दिया। दोनों पक्षों की भावनाओं और तथ्यों पर भी विचार इस निर्णय में किया गया था। कोर्ट में सभी पक्षों के तर्क सुनने के बाद यह निर्णय सुनाया गया है। इस निर्णय के अनुसार मंदिर के निर्माण के लिए एक न्यासी मंडल की स्थापना की गई। मंदिर का भूमिपूजन 5 अगस्त 2020 को हुआ और अब पौष शुक्ल द्वादशी युगाब्द 5125, तदनुसार 22 जनवरी 2024 को श्री रामलला की मूर्ति स्थापना और प्राणप्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया है।

धार्मिक दृष्टि से श्री राम बहुसंख्यक समाज के आराध्य देव हैं और श्री रामचन्द्र का जीवन आज भी संपूर्ण समाज द्वारा स्वीकृत आचरण का आदर्श है।

इसलिए अब अकारण विवाद को लेकर जो पक्ष-विपक्ष खड़ा हुआ है, उसे ख़त्म कर देना चाहिए। इस बीच में उत्पन्न हुई कड़वाहट भी समाप्त होनी चाहिए। समाज के प्रबुद्ध लोगों को यह अवश्य देखना चाहिए कि विवाद पूर्णतः समाप्त हो जाये। अयोध्या का अर्थ है जहाँ युद्ध न हो, संघर्ष से मुक्त स्थान वह नगर ऐसा है।

संपूर्ण देश में इस निमित्त मन में अयोध्या का पुनर्निर्माण आज की आवश्यकता है और हम सभी का कर्तव्य भी है। अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण का अवसर अर्थात राष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह आधुनिक भारतीय समाज द्वारा भारत के आचरण के मर्यादा की जीवनदृष्टि की स्वीकृति है। मंदिर में श्रीराम की पूजा त्रं पुष्पं फलं तोयं की पद्धति से और साथ ही राम के दर्शन को मन मंदिर में स्थापित कर उसके प्रकाश में आदर्श आचरण अपनाकर भगवान श्री राम की पूजा करनी है क्योंकि ÷शिवो भूत्वा शिवं भजेत् रामो भूत्वा रामं भजेत को ही सच्ची पूजा कहा गया है।

इस दृष्टि से विचार करें तो भारतीय संस्कृति के सामाजिक स्वरूप के अनुसार-

मातृवत् परदारेषु, परद्रव्येषु लोष्ठवत।
आत्मवत् सर्वभूतेषु,
यः पश्यति सः पंडितः।
इस तरह हमें भी श्री राम के मार्ग पर चलने होगा।

जीवन में सत्यनिष्ठा, बल और पराक्रम के साथ क्षमा, विनयशीलता और नम्रता, सबके साथ व्यवहार में नम्रता, हृदय की सौम्यता और कर्तव्य पालन में स्वयं के प्रति कठोरता इत्यादि, श्री राम के गुणों का अनुकरण हर किसी को अपने जीवन में और अपने परिवार में सभी के जीवन में लाने का प्रयत्न ईमानदारी, लगन और मेहनत से करना होगा।

साथ ही, अपने राष्ट्रीय जीवन को देखते हुए सामाजिक जीवन में भी अनुशासन बनाना होगा। हम जानते हैं कि श्री राम-लक्ष्मण ने उसी अनुशासन के बल पर अपना 14 वर्ष का वनवास और शक्तिशाली रावण के साथ सफल संघर्ष पूरा किया था। श्री राम के चरित्र में प्रतिबिंबित न्याय और करुणा, सद्भाव, निष्पक्षता, सामाजिक गुण, एक बार फिर समाज में व्याप्त करना, शोषण रहित समान न्याय पर आधारित, शक्ति के साथ-साथ करुणा से संपन्न एक पुरुषार्थी समाज का निर्माण करना, यही श्रीराम की पूजा होगी।

अहंकार, स्वार्थ और भेदभाव के कारण यह विश्व विनाश के उन्माद में है और अपने ऊपर अनंत विपत्तियाँ ला रहा है। सद्भाव, एकता, प्रगति और शांति का मार्ग दिखाने वाले जगदाभिराम भारतवर्ष के पुनर्निर्माण का सर्व-कल्याणकारी और सर्वेषाम् अविरोधी अभियान का प्रारंभ, श्री रामलला के राम जन्मभूमि में प्रवेश और उनकी प्राण-प्रतिष्ठा से होने वाला है। हम उस अभियान के सक्रिय कार्यान्वयनकर्ता हैं। हम सभी ने 22 जनवरी के भक्तिमय उत्सव में मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ-साथ भारत और इससे पूरे विश्व के पुनर्निर्माण को पूर्तता में लाने का संकल्प लिया है। इस भावना को अंतर्मन में स्थापित करते हुए अग्रसर हो...।

● जय सिया राम।

लेखक-डॉ. मोहन भागवत
(सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ)
(मूल मराठी से अनुवाद)

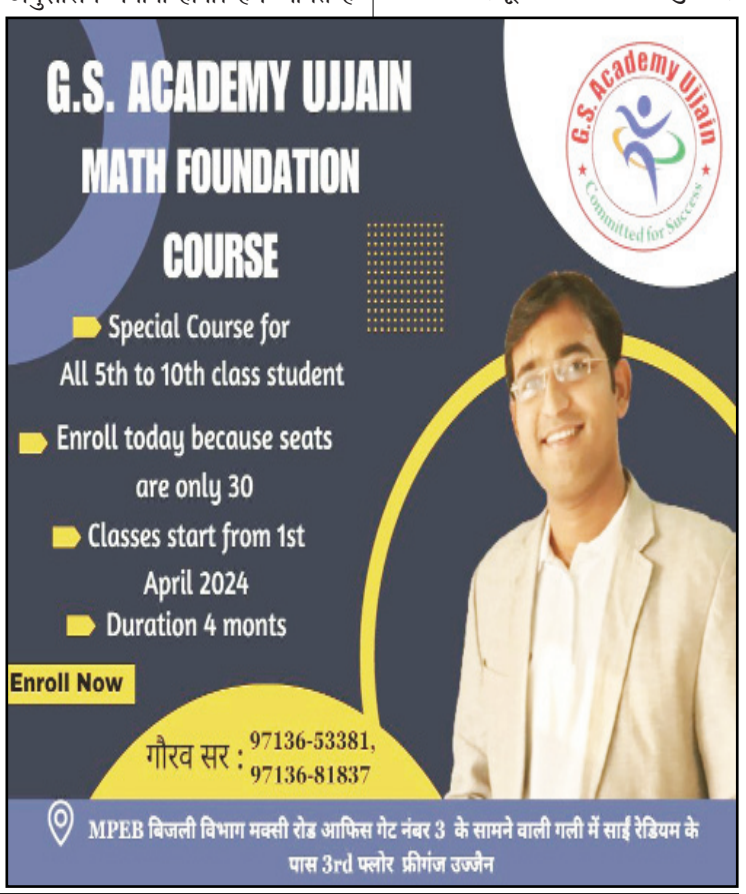

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)